राष्ट्रीय संस्करण
CopyRight - Jagran.com

सनी बोले, हमने तब जीतना शुरू किया था जब विराट पैदा भी नहीं हुए थे

>> 14

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 167

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, सोमवार, 25 नवंबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

BYJU'S The Learning App

IAS 2020

प्रारंभिक परीक्षा टेस्ट सीरिज-2020

1ST DECEMBER 2019 (रविवार) से प्रारंभ

TOTAL 30 TESTS @5,000/-

PRELIMS MASTER 2020

प्रिलिम्स पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण कवरेज

(GS + CSAT) @7,500/-

STARTS 9TH DECEMBER 2019

कार्यालय का पता : Shop No. 15, Ground Floor, Vardhman Central Mall, Nehru Vihar, Mukherjee Nagar, Delhi-54

अधिक जानकारी के लिए CALL, SMS/WHATSAPP करें- 9205881869

सरोकार

12 हजार महिलाओं को दिखाई सशक्तीकरण की राह

पलामू : झारखंड के गढ़वा जिले की सुमन अखौरी तीन दशक से ग्रामीण व आदिवासी महिलाओं को सशक्त बनाने में जुटी हैं जागृति महिला मंडल नामक संस्था के बैनर तले सुमन अब तक 12 हजार महिलाओं को सिलाई, कढ़ाई व हस्तशिल्प का प्रशिक्षण देकर स्वावलंबन की राह दिखा चुकी हैं। (पेज-11)

जागरण विशेष

'ग्रीन कुंभ' की थीम पर होगा 2021 का हरिद्वार कुंभ

हरिद्वार : हरिद्वार कुंभ-2021 को भव्य, यादगार और अनूठा बनाने के लिए कुंभ मेला अधिष्ठान बड़े पैमाने पर तैयारी कर रहा है। विशेष यह कि इस बार हरिद्वार कुंभ का आयोजन 'ग्रीन कुंभ' की थीम पर होगा। इसमें गंगा की शुद्धता और पर्यावरण की रक्षा पर विशेष फोकस रहेगा। (पेज-11)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

सांगली का शाही घराना स्विस बैंक खातों की जांच के दायरे में

नई दिल्ली : स्विस बैंकों में खाता रखने वाले भारतीयों की जांच के घेरे में एक शाही घराना भी आ चुका है। भारतीय जांच अधिकारी ने महाराष्ट्र में सांगली के पूर्व राजघराने के दो लोगों की जानकारी स्विट्जरलैंड के कर विभाग से मंगाई है। इस जांच में आधिकारिक सहयोग के लिए भारतीय अधिकारियों ने स्विट्जरलैंड सरकार से अनुरोध कर रखा है।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 7

परनीत कौर ने हेलीकाप्टर में सुनीं खफा विधायकों की शिकायत

पटियाला : पंजाब में अफसरशाही के हावी होने और फोन टैपिंग से खफा पटियाला जिले के विधायकों को मनाने की कमान मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी और सांसद परनीत कौर ने संभाल ली है। परनीत रविवार को नाराज विधायकों को अपने साथ हेलीकॉप्टर में लेकर गईं और उनकी शिकायतें सुनीं।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 12

आरकॉम ने अनिल अंबानी का इस्तीफा नामंजूर किया

नई दिल्ली : रिलायंस कम्यूनिकेशंस (आरकॉम) ने कहा है कि कर्जदाताओं ने चेयरमैन अनिल अंबानी समेत चार अन्य निदेशकों का इस्तीफा नामंजूर कर दिया है। इन्हें कॉरपोरेट इन्सॉल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रक्रिया में सहयोग करने को कहा गया है। अंबानी व चार अन्य निदेशकों ने इस महीने की शुरुआत में कंपनी से इस्तीफा दे दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने तलब की न्योते और दावे की चिट्ठी

टिप्पणी ▶ बिना पत्र देखे महाराष्ट्र में सरकार गठन की प्रक्रिया पर कैसे दे सकते हैं फैसला

कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से सोमवार सुबह 10:30 बजे दोनों पत्र के साथ पेश होने को कहा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

महाराष्ट्र में सरकार गठन की प्रक्रिया को असंवैधानिक ठहराने की शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को तत्काल फैसला देने से इन्कार कर दिया। मामले को समझने और कानूनी बारीकियां परखने के लिए अदालत ने केंद्र सरकार से कहा है कि राज्यपाल का भाजपा को सरकार बनाने का न्योता देने का और देवेंद्र फड़नवीस की ओर से सरकार बनाने का दावा करने वाले दोनों पत्र पेश करे। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को सोमवार सुबह 10:30 बजे तक पत्र पेश करने को कहा है। केंद्र सरकार, महाराष्ट्र सरकार, मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस और उप मुख्यमंत्री अजीत पवार को नोटिस भी जारी किया है।

शनिवार को नाटकीय घटनाक्रम में अलसुबह महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने भाजपा नेता देवेंद्र फड़नवीस को मुख्यमंत्री और राकांपा के अजीत पवार उप मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। अजीत का दावा है कि उनके साथ राकांपा के विधायक भाजपा को समर्थन देने के लिए तैयार हैं। राज्यपाल ने भाजपा को 30 नवंबर तक बहुमत साबित करने को कहा है। फिर दिनभर चले घटनाक्रम में राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि यह अजीत का निजी फैसला है और पार्टी विधायक भाजपा के साथ सरकार बनाने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने अजीत पवार को विधायक दल के नेता पद से हटाते हुए व्हिप जारी करने का अधिकार भी छीन लिया। इसके बाद सरकार गठन की पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस, शिवसेना और राकांपा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की।

इस राजनीतिक घमासान पर सुप्रीम कोर्ट ने छुट्टी वाले दिन रविवार को विशेष सुनवाई की। जस्टिस एनवी रमना, जस्टिस अशोक भूषण और जस्टिस संजीव खन्ना की पीठ ने मामले पर करीब एक घंटा सुनवाई की। कोर्ट ने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने याचिका में प्रतिपक्षी बनाए गए सभी पक्षकारों को ईमेल के जरिये याचिका की प्रतियां दी हैं। हालांकि याचिका में प्रतिपक्षी बनाई गई महाराष्ट्र सरकार, देवेंद्र फड़नवीस और अजीत पवार की ओर से कोर्ट में कोई प्रतिनिधि नहीं पेश हुआ। कोर्ट ने कहा, राज्यपाल का आदेश और देवेंद्र फड़नवीस का राज्यपाल को दिया गया पत्र देखे बगैर कैसे आदेश दिया जा सकता है। कोर्ट ने जब पूछा कि महाराष्ट्र सरकार की ओर से कोई है, तो पता चला कि सरकार या मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री की ओर से कोई भी वकील मौजूद नहीं था। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अगर कोर्ट उनसे कहता है तो वह राज्यपाल से जरूरी रिकॉर्ड मंगाकर कोर्ट में पेश कर सकते हैं। कोर्ट ने उनसे सोमवार को दोनों पत्र पेश करने को कहा। पत्र देखकर ही उचित आदेश पारित करना संभव होगा।

विपक्ष के वकीलों ने कहा, कुछ नहीं पता : कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की ओर से बहस कर रहे कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा कि देवेंद्र फड़नवीस का सरकार बनाने का दावा करने वाला और राज्यपाल की ओर से उन्हें न्योता देने वाला पत्र कहां है? इस पर दोनों वकीलों ने कहा कि उनके पास कोई पत्र या आदेश नहीं है। यह किसी को नहीं मालूम कि कब राज्यपाल ने उन्हें न्योता दिया और कब उन्होंने सरकार बनाने का दावा किया। यह भी नहीं मालूम कि राज्यपाल ने दावे की जांच परख कब की।

महा उलटफेर (विशेष) पेज>>4

सरकार गठन की प्रक्रिया को असंवैधानिक ठहराने की मांग के साथ कोर्ट पहुंची हैं कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना

महाराष्ट्र मामले पर सुनवाई के लिए रविवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंचे बाएं से महाराष्ट्र के पूर्व सीएम पृथ्वीराज चव्हाण, कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला, अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और अन्य। प्रेट्र

क्या हैं याचिका की मांगें?

- शीर्ष अदालत देवेंद्र फड़नवीस को सरकार बनाने का न्योता देने का राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी का आदेश असंवैधानिक घोषित कर रद करे।
- राज्यपाल को निर्देश दिया जाए कि वह शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस के गठबंधन को सरकार बनाने का निमंत्रण दें। उद्धव के नेतृत्व में इस गठबंधन में 144 से ज्यादा विधायकों के होने का दावा किया गया है।
- सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल याचिका में अंतरिम मांग की गई है कि महाराष्ट्र में 24 घंटे के अंदर सदन में बहुमत साबित करने का आदेश दिया जाए।

पवार बनाम पवार से गहराया सस्पेंस

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

महाराष्ट्र में रविवार को भी सियासी हलचल बनी रही। उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद से चुप्पी साधे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता अजीत पवार ने एक के बाद एक ट्वीट कर हलचल और बढ़ा दी। वहीं राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने अजीत की बातों और दावों को झूठा ठहरा दिया। शरद पवार ने शनिवार को ही स्पष्ट कर दिया था कि भाजपा को समर्थन अजीत का निजी फैसला है।

अजीत ने रविवार को एक के बाद एक ट्वीट कर कहा, 'मैं राकांपा में हूं और हमेशा राकांपा में ही रहूंगा। पवार साहब हमारे नेता हैं। हमारा भाजपा-राकांपा गठबंधन महाराष्ट्र में अगले पांच साल स्थिर सरकार देगा। चिंता की कोई बात नहीं है। सब ठीक है। बस थोड़े धैर्य की जरूरत है।' अजीत ने प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा नेताओं का धन्यवाद भी किया।

रुख पर कायम शरद पवार : कुछ देर बाद शरद पवार ने ट्वीट किया, 'भाजपा से गठबंधन का सवाल ही नहीं है। राकांपा ने सरकार बनाने के लिए एकमत से शिवसेना व कांग्रेस से गठबंधन का फैसला किया है।' 'अजीत पवार का बयान झूठा व भ्रामक है। उन्होंने लोगों में संशय बढ़ाने और गलत धारणा पैदा करने के लिए यह सब कहा है।'

निर्दलीयों और छोटे दलों पर नजर : सभी की निगाहें 13 निर्दलीयों और छोटे दलों के 16 विधायकों पर लगी हैं। किसी भी खेमे के लिए इनका साथ अहम हो सकता है। शिवसेना का दावा है कि उसे सात निर्दलीयों का समर्थन हासिल है। वहीं भाजपा 14 विधायकों के साथ होने का दावा कर रही है। ज्ञात हो, 288 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा को 105, शिवसेना को 56, राकांपा को 54 व कांग्रेस को 44 सीटें मिली हैं। बहुमत के लिए 145 का आंकड़ा छूना होगा।

- शपथ के बाद से चुप्पी साधे अजीत ने ट्वीट कर शरद को बताया अपना नेता
- शरद पवार ने भतीजे के बयानों को झूठा और भ्रामक बताकर किया खारिज

रविवार की हलचल

- उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे ने होटल ललित में ठहरे शिवसेना विधायकों से मुलाकात की।
- शरद पवार होटल रेनेसां में राकांपा विधायकों से मिले। बाद में उद्धव और आदित्य भी वहां पहुंच गए।
- राकांपा नेता जयंत पाटिल ने अजीत पवार से मुलाकात कर उन्हें मनाने की कोशिश की। अजीत के नहीं मानने के बाद पाटिल भी होटल रेनेसां पहुंच गए।
- शाम को होटल में ही शरद पवार ने राकांपा विधायकों के साथ बैठक की।
- दादर कार्यालय में भाजपा विधायक दल की बैठक हुई। इसमें देवेंद्र फड़नवीस, भूपेंद्र यादव, चंद्रकांत पाटिल व केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल उपस्थित रहे।
- भाजपा ने कहा कि बहुमत साबित करने की रणनीति तैयार है। रात को अजीत भी फड़नवीस से मिलने पहुंचे।

न्यायपालिका के लिए मील का पत्थर साबित होगा अयोध्या का फैसला : मोदी

'मन की बात' ▶ फैसले पर लोगों का धैर्य, संयम व परिपक्वता सराहनीय

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कहा, भारतीयों ने साबित किया, देशहित से बड़ा उनके लिए कुछ भी नहीं

अयोध्या मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को शांति और सद्भाव के साथ स्वीकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को धन्यवाद दिया है। 'मन की बात' कार्यक्रम के 59वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरे देश ने फैसले पर जिस प्रकार के धैर्य, संयम और परिपक्वता का परिचय दिया है उससे साबित हो गया है कि भारतीयों के लिए राष्ट्रहित से बढ़कर कुछ भी नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला न्यायपालिका के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस ऐतिहासिक फैसले के बाद देश अब नई उम्मीदों, नई आकांक्षाओं और नए इरादे के साथ नए रास्ते पर चल पड़ा है।

प्रधानमंत्री ने अयोध्या पर अदालत के फैसले के पहले पिछले महीने की 'मन की बात' की भी याद दिलाई। जिसमें उन्होंने देशवासियों से सुप्रीम कोर्ट के फैसले को उसी तरह स्वीकार करने की अपील की थी, जिस तरह 2010 में इसी मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले को शांति और भाई-चारे के साथ स्वीकार किया था।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद 130 करोड़ भारतीयों ने एक बार फिर से साबित कर दिया कि उनके लिए देशहित से बढ़कर कुछ नहीं है। देश में शांति, एकता और सद्भावना के मूल्य सर्वोपरि हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जहां एक ओर लंबे समय के बाद कानूनी लड़ाई समाप्त हुई है, वहीं, देश में न्यायपालिका के प्रति सम्मान और बढ़ गया है।

'फिट इंडिया स्कूल रैंकिंग' शुरू करने की घोषणा : प्रधानमंत्री मोदी ने देश में 'फिट इंडिया स्कूल ग्रेडिंग सिस्टम' शुरू करने की घोषणा की। इसे तीन वर्गों में विभाजित किया गया है- फिट इंडिया स्कूल, फिट इंडिया स्कूल (3 स्टार) और फिट इंडिया स्कूल (5 स्टार)। रैंकिंग का निर्धारण इस पर होगा कि स्कूल फिटनेस को कितना महत्व देते हैं। उन्होंने स्कूलों से दिसंबर में 'फिट इंडिया' सप्ताह मनाने की अपील भी की।

जनवरी में हो सकती है परीक्षा पर चर्चा : रेडियो कार्यक्रम में मध्य प्रदेश की श्वेता के सुझाव का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार जनवरी में परीक्षा पर चर्चा का आयोजन करने की कोशिश होगी। पिछले साल यह कार्यक्रम फरवरी में हुआ था।

राजनीति में आने की इच्छा नहीं थी पेज>>3

रेडियो पर 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। जागरण आर्काइव

टीम इंडिया ने पारी से जीत का रचा कीर्तिमान

बीसीसीआइ प्रेसीडेंट सौरव गांगुली ने जीत के बाद विराट कोहली को ट्राफी प्रदान की। (एएनआइ)

अभिषेक त्रिपाठी, कोलकाता

- बांग्लादेश को पारी और 46 रनों से पराजित किया, सीरीज 2-0 से जीती

कप्तान विराट कोहली (136) के शतक के साथ मैन ऑफ द मैच व मैन ऑफ द सीरीज इशांत शर्मा और उमेश यादव के अद्भुत प्रदर्शन की बदौलत भारत ने कोलकाता के ईडन गार्डेंस स्टेडियम में मेहमान बांग्लादेश को गुलाबी गेंद से हुए अपने पहले डे-नाइट टेस्ट में पारी और 46 रन से पराजित किया।

भारत ने दो मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में इंदौर में मेहमानों को पारी और 130 रनों से पराजित किया था। इस आधार पर भारत ने 2-0 से सीरीज तो जीती ही साथ ही 360 अंकों के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में अपना पहला पायदान बरकरार रखा।

इस टेस्ट मैच में भारत को तीसरे दिन जीत के लिए चार विकेट की दरकार थी। मेजबान टीम ने तीसरे दिन के शुरुआती घंटे में ही मैच जीत लिया। इस जीत के साथ उसने टेस्ट चैंपियनशिप में अपना अजेय रिकॉर्ड कायम रखा। इस मैच में इशांत ने नौ विकेट झटके जबकि उनका अच्छा साथ उमेश यादव ने आठ विकेट लेकर दिया। महमुदुल्लाह रिटायर्ड हर्ट होने के चलते मैदान पर नहीं लौटे। इस तरह बांग्लादेश की दूसरी पारी 41.1 ओवर में 195 रन पर सिमट गई। भारत ने बांग्लादेश की पहली पारी 106 रन पर समेटने के बाद दूसरे दिन नौ विकेट पर 347 रन बनाकर अपनी पहली पारी घोषित की थी। (पेज-14 भी देखें)

142 साल के टेस्ट इतिहास में लगातार चार टेस्ट पारी और रनों के अंतर से जीतने वाला पहला देश बना भारत। इससे पहले दुनिया की कोई भी टीम ऐसा नहीं कर पाई थी। भारत ने इस क्रम में दो मैच दक्षिण अफ्रीका और दो मैच बांग्लादेश को हराए

12 वीं लगातार सीरीज भारतीय टीम ने घर में जीती। यह अब तक का इस टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है

01 टेस्ट है जो भारत में टीम इंडिया ने बिना स्पिनर के विकेट के जीता है

07 लगातार टेस्ट भारत ने पहली बार जीते हैं। इस दौरान उसने वेस्टइंडीज को दो, दक्षिण अफ्रीका को तीन और बांग्लादेश को दो मैच हराए। इससे पहले उसने 2013 में लगातार छह टेस्ट जीते थे

नई रणनीति

जम्मू कश्मीर में आतंकियों के सफाए के लिए सरकार ने नई रणनीति तैयार की है, इसके लिए तीनों सेनाओं को मैदान में उतारा गया है

जल, थल व नभ से एक साथ आतंकियों पर वार

नई दिल्ली, एएनआइ : कश्मीर में आतंकियों के सफाए के लिए मोदी सरकार ने नई रणनीति तैयार की है। दहशतगर्दों पर अब जल, थल और नभ (आकाश) तीनों तरफ से प्रहार किया जाएगा। इसी के तहत कश्मीर घाटी में पहली बार सेना, नौसेना और वायुसेना की संयुक्त कमान तैनात की जा रही है। वरिष्ठ रक्षा सूत्रों ने बताया कि सेना के विशेष बल, नौसेना के मरीन कमांडो और वायुसेना के गरुड़ विशेष बल को हाल ही में गठित सशस्त्र बल विशेष परिचालन विभाग के तहत कश्मीर में तैनात किया गया है।

नई रणनीति के तहत श्रीनगर के नजदीक संयुक्त विशेष बल की टुकड़ी की तैनाती शुरू कर दी गई है। इस इलाके को परंपरागत रूप से दहशतगर्दों का गढ़ माना जाता है। हालांकि, नौसेना और वायुसेना के विशेष बल पहले भी कश्मीर घाटी में आतंकियों के खिलाफ अभियान चलाते रहे हैं, लेकिन पहली बार तीनों को संयुक्त कमान के तहत लाया जा रहा है। सशस्त्र बल विशेष परिचालन विभाग का पहला प्रमुख मेजर जनरल अशोक धींगरा को बनाया गया है।

नौसेना के उच्च प्रशिक्षण प्राप्त मार्कोस कमांडो को वुलर झील इलाके में तैनात किया गया है, जबकि वायुसेना की गरुड़ टीम को लोलब और हजिन इलाके में आतंकियों के सफाए की जिम्मेदारी दी गई है। वायुसेना का विशेष बल पहले भी कश्मीर घाटी में आतंकियों के खिलाफ सफल ऑपरेशन कर चुका है। गौरतलब है कि हजिन इलाके में छह आतंकियों को मार गिराने के लिए जेपी निराला को मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया गया था। सशस्त्र बल विशेष परिचालन विभाग ने अलग-अलग इलाकों में दो सैन्य अभ्यास भी किया है, जिसमें सैनिकों को दुश्मनों पर हमला करने और उसके कब्जे वाले इलाके को अपने कब्जे में लेने का प्रशिक्षण दिया गया। इनमें पहला अभ्यास कच्छ इलाके में और दूसरा अभ्यास अंडमान और निकोबार द्वीप पर किया गया। कच्छ इलाके में हुए अभ्यास का कोडनेम एक्स स्मेलिंग फील्ड और अंडमान में हुए अभ्यास का कोडनेम डीएएनएक्स-2019 रखा गया था।

- कश्मीर में तीनों सेनाओं की कमान करेगी आतंकियों का सफाया
- सशस्त्र बल विशेष परिचालन विभाग के तहत की जा रही तैनाती

रिहा हो सकते हैं कुछ और कश्मीरी नेता

जम्मू : जम्मू-कश्मीर में सौ दिन से अधिक समय से हिरासत में चल रहे कुछ नेताओं को जल्द रिहा किया जा सकता है। इन नेताओं पर लगाए गए प्रतिबंधों में भी ढील दी जा रही है। कुछ राजनीतिक नेताओं को स्वास्थ्य कारणों से घाटी के बाहर जाने की इजाजत भी मिल सकती है। जम्मू-कश्मीर सरकार के कुछ अधिकारियों ने इसके संकेत भी दिए हैं, लेकिन केंद्र सरकार के साथ विचार-विमर्श के बाद ही इस पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, राज्य प्रशासन ने गत शनिवार को चार से पांच नेताओं को उनके अनुरोध पर कुछ देर के लिए घर जाने की इजाजत भी दी थी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में डल झील के किनारे बने सेंटूर होटल (सब जेल) से विभिन्न दलों के नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं को ठंड के कारण एमएलए हॉस्टल में शिफ्ट किया गया था। (पेज-6)

वरिष्ठ आइएएस राजीव कुमार को जबरन रिटायर करने की तैयारी

लखनऊ : भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस की नीति के तहत योगी सरकार अब 1983 बैच के वरिष्ठ आइएएस अधिकारी राजीव कुमार द्वितीय को अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने की तैयारी में है। इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। नोएडा प्लाट आवंटन घोटाले में पूर्व मुख्य सचिव नीरा यादव के साथ जेल की सजा काट चुके राजीव कुमार द्वितीय 2016 से निलंबित हैं। यदि राजीव कुमार को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी गई तो यह प्रदेश में किसी आइएएस अफसर को जबरन रिटायर करने का पहला मामला होगा। (पेज-3)

ब्रिटिश पीएम जॉनसन के चुनाव घोषणा पत्र में ब्रेक्जिट पर जोर

लंदन : ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने रविवार को कंजरवेटिव पार्टी का चुनाव घोषणापत्र जारी किया। इसमें उन्होंने आम चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए ब्रेक्जिट और मितव्ययिता जैसे मुद्दों पर आगे बढ़ने का संकल्प दोहराया है। जॉनसन ने जुलाई में अल्पमत सरकार का कामकाज संभाला था, लेकिन ब्रिटेन को यूरोपीय संघ से अलग करने के समझौते (ब्रेक्जिट) को गति नहीं दे सके थे। (पेज-13)

सड़क पर गिरे जहरीले केमिकल ने ली दो युवकों की जान

राकेश कुमार सिंह, नई दिल्ली

- दिल्ली के कश्मीरी गेट इलाके में केमिकल के कारण फिसली वाइक
- लोकनायक अस्पताल में भर्ती तीसरे दोस्त की हालत नाजुक

दिल्ली के कश्मीरी गेट इलाके में शनिवार सुबह सड़क पर ग्रीस जैसा केमिकल गिरा होने के कारण बाइक सवार तीन युवक फिसल कर नीचे गिर गए। तीनों के शरीर में केमिकल लग गया। केमिकल इतना जहरीला था कि युवकों के शरीर पर तुरंत ही घाव जैसे दाने निकलने शुरू हो गए। साथ ही जहां-जहां केमिकल लगा वह हिस्सा नीला पड़ गया। तीनों को लोक नायक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां 24 घंटे के अंदर दो युवकों महेश व शिवम ने दम तोड़ दिया। तीसरे युवक मोनू की हालत गंभीर बनी हुई है।

कश्मीरी गेट थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। रविवार को दोनों के शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने घटनास्थल से केमिकल का नमूना जांच के लिए फॉरेंसिक साइंस लैब में भेजा है। जांच से ही पता चलेगा कि बेहद खतरनाक जहरीले केमिकल का नाम क्या है।

पुलिस के मुताबिक, पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर संविदा पद पर काम करने वाले करावल नगर निवासी महेश, मोनू और रोहिणी निवासी शिवम दोस्त की शादी में शरीक होकर नांगलोई से एक ही बाइक से लौट रहे थे। शनिवार सुबह करीब पौने छह बजे मोरी गेट से आगे पुल डफरिन के पास पहुंचने पर सड़क पर गिरे केमिकल की वजह से बाइक फिसल गई। इससे तीनों गिर गए और उनके शरीर में केमिकल लग गया। इसके बाद तीनों को पिकेट पर तैनात पुलिसकर्मियों ने अस्पताल पहुंचाया। माना जा रहा है कि पुरानी दिल्ली के केमिकल मार्केट में किसी टैंकर में रिसाव से सड़क पर केमिकल गिर गया होगा। पुलिस सीसीटीवी फुटेज से टैंकर के बारे में पता लगाने की कोशिश कर रही है।